No. of Printed Pages : 6

# BPY-003

## BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

## (B. A. BDP)

## PHILOSOPHY

## Term-End Examination

## December, 2022

### BPY-003 : ANCIENT AND MEDIEVAL WESTERN PHILOSOPHY

*Time : 3 Hours* *Maximum Marks : 100*

***Note :*** *Answer all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answer to question nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Explain different perceptions of being and becoming in the thoughts of pre-Socratic philosophers. 20

*Or*

Establish the relation between epistemology and metaphysics in the philosophy of Plato.

2. Explain the philosophy of the world according to Aristotle. 20

*Or*

Examine the *five* ways of proving the existence of God by Thomas Aquinas.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about ***200*** words each :

   (a) Define philosophy and explain its scope and importance. 10

   (b) Illustrate Socratic method in the context of his life and period. 10

   (c) What are the central themes of Neo-Platonism ? Explain. 10

   (d) Identify the uniqueness of Augustine in the development of Christian philosophy. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about ***150*** words each :

   (a) What is univoeity being according to Dun Scotus ? 5

   (b) How did Parmenides interpret the concept of being ? 5

(c) Describe epistemological relativism of the Sophists. 5

(d) What is justice according to Plato ? 5

(e) Write a summary of Aristotle's ethics. 5

(f) What was the proposal of Averroes for the reconciliation of reason with faith ? 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about ***100*** words each :

(a) Scholastic method 4

(b) Nihilism 4

(c) Cynicism 4

(d) Nous 4

(e) Epicureanism 4

(f) Boethius 4

(g) Rationes Seminales 4

(h) Ockham's Razor 4

# BPY-003

## स्नातक उपाधि कार्यक्रम ( बी. डी. पी. )

## ( बी. ए. दर्शनशास्त्र )

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2022

## बी. पी. वाई.-003 : प्राचीन एवं मध्यकालीन दर्शन

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

***नोट :*** *सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या* ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

1. पूर्व सुकरातीय दार्शनिकों के विचारों में भाव (being) और सम्भवन (becoming) की विभिन्न दृष्टियों की व्याख्या कीजिए। 20

**अथवा**

प्लेटो के दर्शन में ज्ञानमीमांसा एवं तत्वमीमांसा के मध्य सम्बन्ध स्थापित कीजिए।

2. अरस्तू के अनुसार विश्व के दर्शन की व्याख्या कीजिए। 20

**अथवा**

थॉमस एक्वीनास के द्वारा ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के **पाँच** ढंगों का परीक्षण कीजिए।

3. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ***200*** शब्दों में दीजिए :

(क) दर्शनशास्त्र को परिभाषित कीजिए और इसके विषय-क्षेत्र एवं महत्व की व्याख्या कीजिए। 10

(ख) सुकरातीय पद्धति को उसके जीवन एवं काल के सन्दर्भ में स्पष्ट कीजिए। 10

(ग) नव-प्लेटोवाद के केन्द्रीय विषय क्या हैं ? व्याख्या कीजिए। 10

(घ) ईसाई दर्शन के विकास में ऑगस्टीन की विशिष्टता की पहचान कीजिए। 10

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ***150*** शब्दों में दीजिए :

(क) डन स्कॉटस के अनुसार सत् की एकरूपता क्या है ? 5

(ख) पारमेनाइड्स ने सत् के प्रत्यय की व्याख्या कैसे की है ? 5

(ग) सोफिस्ट दार्शनिकों के ज्ञानमीमांसीय सापेक्षतावाद का वर्णन कीजिए। 5

(घ) प्लेटो के अनुसार न्याय क्या है ? 5

(ङ) अरस्तू के नीतिशास्त्र को सार रूप में स्पष्ट कीजिए। 5

(च) एवेरोज आस्था एवं तर्क के मध्य सामंजस्य बैठाने की क्या युक्ति प्रस्तुत करते हैं ? 5

5. किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग *100* शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) स्कॉलिस्टिक पद्धति 4

(ख) शून्यतावाद (Nihilism) 4

(ग) सिनिसिज्म 4

(घ) नाउस 4

(ङ) एपिक्यूरियनवाद 4

(च) बाएथियस 4

(छ) रॉसेनस सेमिनलस 4

(ज) ऑखेम रेजर 4